अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

# नारीलोक

*लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं*

अंक 272 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | मार्च 2021

# ऊर्जावाणी

नारी अपने अस्तित्व का बोध करे। भयभीत न बने। अभय बन कर अपनी शक्ति को पहचाने। ''नारी पुरुष से आगे बढ़े'' ऐसा न सोचकर अपने–अपने क्षेत्र में अपने–अपने दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए आगे बढ़े। नारी अपनी असली नारीत्व को जगाए।

**आचार्य श्री तुलसी**

जैसे सूर्य का प्रकाश फैलता जा रहा है, वैसे ही महिलाएं समाज में सद्–संस्कारों का आलोक बिखेर रही है। संस्कार देना माँ का काम है, इसे दृष्टिगत रखते हुए महिलाएं अपने करणीय के प्रति सजग बनी रहे, यह शुभ संकेत है। महिला समाज में नया विचार, नया चिंतन जाग रहा है, इस आधार पर कह सकता हूँ कि हमारे समाज का भविष्य उज्जवल है, गौरवमय है और विकास की नई संभावनाओं को जन्म दे रहा है।''

**आचार्य श्री महाप्रज्ञ**

महिलाओं में सहिष्णुता, नम्रता और शालीनता पुष्ट होती रहे। वे अपने परिवार में सुसंस्कारों का निर्माण करने और उनकी रक्षा करने में सक्रिय रहे। पवित्र पुरुषार्थ करती रहें। महिला दिवस सम्पूर्ण महिला जाति को सद्गुणों के विकास की प्रेरणा देने वाला बने, शुभकामना।

**आचार्य श्री महाश्रमण**

''महिलाओं ने अंधकार से प्रकाश की यात्रा प्रारम्भ की है। बहनें किसी के लिए खतरा नहीं, सुरक्षा कवच है। आज महिलाओं ने अपने कर्तृत्व से अस्मिता को अभिव्यक्ति दी है। मैं महिलाओं से कहना चाहूंगी कि नारी के कुछ मौलिक गुण है, जिन्हें हम सदियों से संजोते आए हैं, उन्हें सदैव सुरक्षित रखना है। अपनी भावी पीढ़ी को संस्कारित करने के लिए और अधिक जागरूक करना है।''

**साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा**

# अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर
# साध्वीप्रमुखाश्रीजी का संदेश, नारी शक्ति के लिए बना विशेष

## संवारें अपनी तकदीर : बदलें देश की तस्वीर

इक्कीसवीं शताब्दी बौद्धिक एवं भौतिक विकास की शताब्दी है। मनुष्य की इंटेलिजेंसी के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी भी विकसित हो रही है। आदमी के द्वारा किए जाने वाले अनेक कार्य रोबोट के द्वारा करवाए जा रहे हैं। चूंकि रोबोट के पास विवेक नहीं होता, करणीय-अकरणीय की भेदरेखा नहीं होती, इसी कारण यदा-कदा अनिष्ट की संभावना बनी रहती है।

बौद्धिक विकास के क्षेत्र में स्त्री और पुरुष का कोई निश्चित अनुपात नहीं है। एक समय था जब शिक्षा और कार्यक्षेत्र की दृष्टि से स्त्री के सामने कई लक्ष्मण रेखाएं थीं। किन्तु अब वह मिथक टूट गया है। देश की आधी दुनिया आज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। संभावना की जा सकती है कि वर्तमान में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो महिलाओं के लिए वर्जित माना जाता हो।

हालांकि विशिष्ट क्षेत्र में महिलाओं की संख्या सीमित है, फिर भी यह तो सच है कि अर्हता और क्षमता की दृष्टि से उनको हाशिये पर नहीं रखा जा सकता। महिलाओं की क्षमताओं का मूल्यांकन और समुचित उपयोग होता रहे तो नई संभावनाओं को उजागर होने का अवकाश मिल सकता है।

इस सदी के प्रारंभ से ही स्त्री सशक्तिकरण का नारा बुलंदी पर है। महिलाओं को सशक्त होना भी चाहिए। किन्तु केवल आरक्षण के आधार पर अथवा दूसरों के बलबूते पर अर्जित होने वाली शक्ति से नया सृजन कैसे होगा? शक्ति या सृजन की निष्पत्ति क्या हो? इस प्रश्न पर गंभीरता से चिन्तन करने की अपेक्षा है।

''अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल'' एक ऐसी संस्था है, जिसे आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ और आचार्य महाश्रमण जैसे युगनायकों के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में काम करने का अवसर मिला है। लगभग साठ हजार से अधिक महिलाएं संस्था के बैनर तले कार्यरत है। संस्था का अपना गणवेश है और विशेष योजनाएं हैं। इनके द्वारा महिलाओं ने अपनी तकदीर संवारने में सफलता प्राप्त की है।

महिलाएं सृजनशील हैं, निर्मात्री हैं। सबसे पहले वे महिला जाति का नया निर्माण करें। उसके बाद हर महिला अपने परिवार के संस्कार-निर्माण का जिम्मा उठाए। व्यक्ति-व्यक्ति के निर्माण से परिवार, समाज व देश के निर्माण की पृष्ठभूमि मजबूत होगी तो आने वाले कल की तस्वीर बदली जा सकेगी।

अपेक्षा यह है कि पहले उस तस्वीर का सुन्दर सा रेखाचित्र बनाया जाए, फिर उसमें रंग भरने की पूरी तैयारी की जाए। हर महिला अपने समय, शक्ति और प्रतिभा का उपयोग पूरे जज्बे के साथ करे तो आने वाले कल की तस्वीर बदलने का सपना साकार हो सकता है।

– साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

अध्यक्षीय

# जीनें की कला सीखें

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

होली की शुभकामनाएं, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए मंगल कामनाएं।

त्यौंहारों की श्रृंखला हमारी धरोहर है, संस्कारों का संजीवन हैं। होली का त्यौंहार रंगों की खुशहाली लेकर आता है। होली का मूल रूप है हंसना-हंसाना, रंग और गुलाल से खेलकर खुशियां बंटोरने की कोशिश कर अपनों में प्रेम बढ़ाना।

हम और हमारा संसार एक दूसरे पर आधारित है जैसे हम होते हैं वैसी ही हमारी आदतें व आचरण होता है और वैसा ही संसार दिखाई देता है, संसार तो हमारा प्रतिबिम्ब है। हम अच्छे हैं तो संसार भी उज्जवल व अच्छा होगा। प्रेतात्मा कभी दिव्य वरदान नहीं दे सकती, वहीं एक देवात्मा कभी अभिशाप नहीं दे सकती। उदास मन से फूलों को देंखेंगे तो फूल भी उदास दिखाई देंगे। प्रसन्न हृदय से अगर कांटे भी निहारेंगे तो उसमें फूल नजर आएंगे।

जब कृष्ण ने दुर्योधन से कहा कि धरती पर जाओ और देखकर आओ कि कौन इंसान अच्छे हैं, और कौन से बुरे हैं? यही बात युधिष्ठिर को कही गई। दुर्योधन घूमकर आया और कहा - संसार में कोई आदमी अच्छा नहीं है, बुरे ही बुरे भरे पड़े हैं। युधिष्ठिर ने कहा - इस दुनियां में कोई बुरा नहीं है सारे ही अच्छे हैं यदि मुस्कुराती हुई आंखों से देखेंगे तो संसार में स्वर्ग ही स्वर्ग दिखाई देगा और यदि रोती हुई आंखों से चाँद भी देखें तो आँसू बरसाते दिखाई देगा।

इसका दोष संसार को नहीं है यह दोष हमारा है। यदि हमारे हृदय में अंधकार है तो पूरे संसार में अंधकार ही दिखाई देगा। मछली को जब आगे बढ़ना होता है तो वह आगे चल रही मछली को फांद कर आगे निकल जाती है। जब केकड़े को आगे बढ़ना होता है तो वह आगे चल रहे केकड़े की टांग पकड़ कर खींच लेता है और कोई भी आगे नहीं बढ़ पाता। अगर हम मछली की तरह अपने विकास में विश्वास रखते हैं तो हमें अपनी आदतों में सुधार करना होगा। प्रभावी व्यक्तित्व का निर्माण करने में व्यक्ति को सतत् प्रयास व साधना करना होती है। अनेकानेक गुणों से अपना जुड़ाव केवल विचारों से ही नहीं अपितु आचरण से भी करना पड़ता है। जितने भी महान व्यक्तित्व हमारे सन्मुख दैदीप्यमान नक्षत्र की भांति ज्योर्तिमय है वे एक दिन के प्रयास की देन नहीं हैं अपितु उन्होंने आजीवन सतत् प्रयास किए हैं। आचार्यश्री महाश्रमणजी की पुस्तक ''आओ जीना सीखें'' में जीवन को जीने की कला बताई गई है। महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्रीजी का जीवन स्वयं एक जीवन्त उदाहरण है।

मार्गान्तिकरण :- यह रास्ता बदलने का उपक्रम है। इसमें न तो व्यक्ति की वृतियों का सर्वथा शमन होता है और न वे मूल स्थिति में रहती है। एक व्यक्ति अपनी काम वासना से मुक्त होना चाहता है पर सहसा अपने लक्ष्य को नहीं साध पाता हैं वहीं अपनी वासना को संगीत में मोड़ देता है। तो धीरे-धीरे सर्वथा विरक्ति की ओर चरणविन्यास हो जाता है।

मन लोभी, मन लालची, मन चंचल, मन चोर।
मन के मते ना चालिये, मन पल-पल में कहीं ओर।।

जीवन का कोई लक्ष्य बनाएं :- मन में प्रश्न होता है हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है? परम पिता परमेश्वर ने हमें सिर्फ खाने-पीने और ऐश करने के तो उद्धेश्य से नहीं भेजा है अतः अपने जीवन जीने का बेहतर लक्ष्य तय करें। बिना उद्धेश्य के मनुष्य का जीवन बेमानी है। हम समग्र दृष्टि से विचार करें तो पायेंगे कि हमारे जीवन की सफलता इसी में है कि हम खुद प्रसन्न रहें, दूसरों को भी प्रसन्न रखें। हम आसपास नजर दौड़ाते हैं तो अपने

सवाल का जवाब मिल जाता है।

''तरूवर फल नहीं खात है, सरवर पिये न पान''

कहने का तात्पर्य पेड़ कभी भी अपने फल नहीं खाता, नदी कभी भी अपना पानी नहीं पीती वह हमेशा दूसरों की सहायता करते हैं अतः हमसे जितना हो सके तन, मन, धन से दूसरों की सहायता करें, सुख-दुख के साथी बनें।

उत्साही व्यक्तित्व :- जीवन्त उत्साह व प्रखर अभिलाषा व्यक्ति को असाधारण की अवस्था तक पहुँचा देता है। सिर्फ एक डिग्री के फर्क से पानी भाप बन जाता है और भाप बड़े से बड़े इंजन को खींच सकता है। उत्साह भी हमारी जिन्दगी में वही काम करता है।

तू जिन्दा है तो जिन्दगी की जीत पर यकीन कर।
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला जमीं पर।।

साकारात्मक सोच बनाएं :- सोच का प्रभाव मन पर होता है। मन का प्रभाव तन पर होता है और तन, मन का प्रभाव सारे जीवन पर होता है। इसलिए सदा अच्छा सोचें, खुश व हंसते मुस्कुराते रहें, अगर हमारी सोच सही रही तो व्यवहार सही होगा। संक्रमित व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है पर संक्रमित सोच का उपचार नहीं। हमारा प्रयास रहे हम चिन्ता न करके चिन्तन करें, बेहतरीन साकारात्मक सोच के साथ सभी ने मिलकर अच्छा काम किया।

माना की गुल को गुलशन न कर सकेंगे हम।।
पर, कर जाएंगे कुछ कांटे कम, जिस राह से गुजरेंगे हम।।

समता को अपनाएं :- भगवान महावीर ने समता को परम धर्म कहा है - समयाधम्म मुद्दाहरेमुणी - हर परिस्थिति में निर्लेप रहना। प्रिय के प्रति मोह, अप्रिय के प्रति द्वेष, अनुकूलता में खिलना, प्रतिकूलता में मुरझाना, लाभ में सुख, अलाभ में दुःख। निंदा में व्यथित होना, प्रशंसा में प्रसन्न होना ये सब विषम चित की विसंगतियां है। संतुलित चित्त में कोई विक्षेप नहीं होता अतः समभाव में रहें।

संगति अच्छी होनी चाहिए :- संगति के अनुसार आचरण बनता है। स्वाति नक्षत्र की बूंदे एक जैसी होती है लेकिन जैसी संगत में पड़ती है वैसा ही गुण धारण कर लेती है। केले के वृक्ष में पड़कर कपूर, सीप में मोती और सांप के मुख में पड़ने पर विष बन जाती है। ओछे लोगों के प्रति सावधान करते हुए रहीम जी कहते हैं

रहिमन ओछे नरन सों बैर भलो न प्रीत
काटे चाटे स्वान के, दोउ भांति विपरित

समस्याओं का समाधान ध्यान द्वारा :- जिन्दगी में जितनी समस्याएं होती है, सफलताएँ भी उतनी ही तेजी से कदम चूमती है। प्रश्न है कि हम समस्याओं को कैसे कम करें। इसका समाधान आध्यात्मिक परिवेश में ही संभव है। जो समस्या है उसका समाधान अपने भीतर खोजे। मन कमजोर क्यों होता है - निषेधात्मक भावों के द्वारा। ये नकारात्मक भाव हमारी बिमारियों एवं समस्याओं से लड़ने की प्रणाली को कमजोर बनाते हैं।

ध्यान आध्यात्मिक दृष्टि से नहीं, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत उपयोगी है। ध्यान से निषेधात्मक भाव कमजोर पड़ते हैं ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका समाधान हमारे भीतर न हो। भगवान महावीर ने कहा - पुरुष! तू स्वयं अपना भाग्य विधाता है। इसलिए अपने लिए एक नई राह बनाएं ताकि अपने जीवन को भरपूर मस्त होकर जी सके।

फौलादी बने हमारे इरादों का बदन, आलस्य को न दे कभी हम शरण।।
उत्तंग से उत्तंग रहे हमारे आचरण, लक्ष्य की दिशा में बढ़ते रहें चरण।।
कर भला तो हो भला - हो ऐसी सोच, प्रमोद भावना से भरें, क्यों रहे शोक।।
मंगल भावना पुष्ट हो, मिटे सब रोग, जीवन की कला सीखें सब देते रहें सहयोग।।

आपकी
पुष्पा बैद

# LEARN • UNLEARN • RELEARN

प्यारी बहनों,

जानने की दृष्टि से व्यक्ति को सभी बातें जाननी चाहिए, पर उनमें से लेनी वही बातें चाहिए, जो हितकर हो। ज्ञेय, हेय और उपादेय की बात को समझता हुआ व्यक्ति आत्मनिष्ठ बनें, आत्म जागरण और आत्म-स्वरूप की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहे।

## LEARN - भूलना सीखें

1. ''बीती ताहि बिसार दे'' प्राणी मात्र के प्रति मैत्री का भाव रखे। बैर पर मैत्री से ही विजय संभव है।
2. क्षमा लेना व देना सीखें। क्षमारूपी शस्त्र जिसके हाथ में है दुर्जन व्यक्ति उसका क्या अनिष्ट कर सकता है। अग्नि में ईंधन न डालने से वह स्वयं शांत हो जाती है।
3. सेवा ऐसा व्रत है जिसे अंधा पढ़ सकता है बहरा सुन सकता है, गूंगा समझ सकता है अतः बड़े बुजुर्गों की सेवा का लक्ष्य रखें।

## UNLEARN -

1. बहानें बंद करें, शिकायत बंद करें।
2. अपनी गलतियां स्वीकार करें, अपनी गलती दूसरों पर न थोपें।
3. आजकल येन-केन प्रकारेण पैसा कमाने की नीति रह गई है। भले ही इसके लिए उन्हें शोषण करना पड़े, अन्याय करना पड़े। ऐसे लोगों की धर्म के प्रति श्रद्धा मुर्च्छित हो गई है। उन्हें होश में आने की जरूरत है।

## RELEARN -

1. आजकल हर व्यक्ति तनाव से घिरा रहता है। भीतर आनंद जाग सकता है वर्तमान में जीने के अभ्यास से जो व्यक्ति वर्तमान के क्षण को देखना शुरू कर देता है, आनन्द प्राप्त कर सकता है।
2. जैसे कठिन प्रश्नों को हल करने से बुद्धि बढ़ती है वैसे ही परिस्थितियों से मुकाबला करने से आत्मबल बढ़ता है।
3. सफल उद्यमी नारायण मुर्ति का मानना है कि बड़ी सोच रखकर आप छोटा काम भी शुरु करते हैं तो धीरे-धीरे आप अपने मुकाम पर पहुँच सकते हैं।

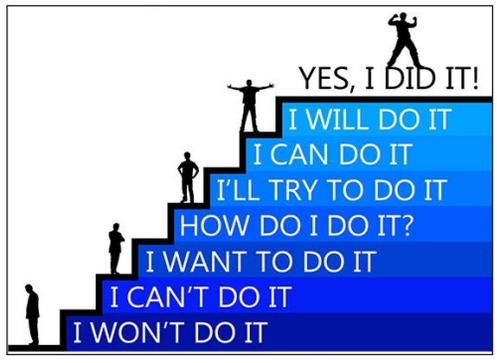


### कंठस्थ ज्ञान

इस बार कल्याण मंदिर स्त्रोत का 17 वें श्लोक से लेकर 20 वें श्लोक तक याद करने का लक्ष्य रखें।

इस बार 16 वें तीर्थंकर श्री शांति प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

# कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर सृष्टि की अनमोल कृति, हमारी परंपराओं की प्रवाहिनी हमारी प्यारी बेटियों के सुरक्षित, सुखद व सशक्त जीवन की मंगलकामना।

जिसके हर रंग में शक्ति, शांति, समृद्धि, उत्साह, उमंग व मैत्री की फुहार है, ऐसे पावन पर्व होली की ढ़ेरों शुभकामनाएं।

एक कली के फूल बनने का सफर अत्यंत सुन्दर होता है। हमारी बेटियों को भी नन्हीं कली से सुन्दर फूल बनने तक का खूबसूरत सफर तय करना है। यह सफर यदि सतर्कता से, सजगता से, सहिष्णुता से व सहनशीलता से तय करें तो पूरी दुनिया को सुगंधित कर सकती है। हमारी ये नन्हीं कलियां हमारी विरासत तैयार करती है जो मातृत्व की छाया बनकर मानव जाति को विस्तार देती है, हमारी संस्कृति को सुरक्षा देती है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हम यही शुभकामना करते हें कि हमारी बेटियां श्रमशील बनें, व्यसन मुक्त बनें, संस्कारी बनें, सहनशील बनें व सुरक्षित रहें यही हमारे पूज्यवरों का सपना है व इंगित है, हर परिवार की चाह है।

**मार्च माह का करणीय कार्य**

1. इस माह आपको महिला मंडल के द्वारा आयोजित प्रेरणा सम्मान के कार्यक्रम के साथ जुड़ना है व 5 मिनट की निम्न विषय पर प्रस्तुति देनी है :- Salute the Frontline Warriors of Covid-19

2. कंठस्थ गीतिका :- भिक्षु म्हारे प्रगट्या जी भरत खेतर में 1 इसका Audio Group में प्रेषित किया जाएगा।
3. परम की ओर प्रस्थान - करें छोटे-छोटे प्रत्याख्यान

   खाना खाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग न करना।

## EVOLVE

### Learn Evolve Grow & Expand

इस माह दिनांक 14 मार्च रविवार को Evolve कार्यशाला का आयोजन करने जा रही है अहमदाबाद कन्या मंडल और विषय है:-

### Live with 3 E's

### Energy, Enthusiasm and Empathy

पूरे देशभर व नेपाल कन्या मंडल की बेटियां शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करवाएं।

धन्यवाद

आपकी दीदी
रमन पटावरी

---

अभी कोरोना महामारी का प्रकोप वापस से बहुत फैल रहा है।
इसलिए हमसे जितना हो सके जप करने का लक्ष्य रखें।

**संती कुन्थु अरहो अरिठनेमी जिणंदपासोय**
**समरंताणं णिच्चं, सव्वं रोगं पणासेई।।**

॥ अर्हम् ॥

# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

के तत्त्वावधान में

तेरापंथ महिला मंडल, ...................

प्रस्तुत करता है

# अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दि. 8 मार्च 2021, प्रातः ........ बजे

# प्रेरणा सम्मान

## (COVID WARRIORS)

प्रेरणा सम्मान

## AKHIL BHARATIYA TERAPANTH MAHILA MANDAL ROHINI (LADNUN - RAJASTHAN)

## INTERNATIONAL WOMEN'S DAY 8 MARCH 2021

### CITATION

**AKHIL BHARATIYA TERAPANTH MAHILA MANDAL** (ROHINI, LADNUN - RAJASTHAN) is the nomenclature of the concerted efforts aimed and dedicated to protect and foster Indian culture, spiritual development, women's awakening and social service, as per the holy dictates of its mentor, His Holiness **Acharya Shri Mahashraman.** Spirituality is the life-blood of this institution and the noble spirit of social service its basis. **Terapanth Mahila Mandal.......................**, is its affiliated branch functioning diligently in the fields of women empowerment and conservation of the inborn traits of the women, as the deft hands of the women alone can shape the future destiny of a nation. This institution meaningfully takes pride in duly honouring **Dr. ..............................** for her unique and exquisite social contribution during the Covid-19 pandemic.

**Dr. ..............................** has volunteered to educate the people about the severity of the contagion of Covid infection and the ways the people should adopt to combat it. The selfless behaviour and the pleasing attitude exhibited in treating and curing the patients of the fatal disease is highly laudable and the achievements have been remarkable and outstanding. **Dr. ..............................** has not only fostered the innate capabilities, spruced up the self-confidence in preventing and curing the pandemic but also her simple, innovative and cost-effective methods of treatment have yielded wonderful results and have saved several lives from the grip of the fatal disease and instilled confidence in combating the apprehensions and misgivings about the disease. We respectfully salute your ideal life full of self-respect and humbly extend our best wishes for your prosperity and welfare in forging the developmental path with renewed self-confidence and vigour to strengthen and crown with glory the dignity of the people of our society.

As per the directives of
AKHIL BHARATIYA TERAPANTH MAHILA MANDAL

Pushpa Baid — *National President*

Taruna Bohra — *General Secretary*

**SRI JAIN SWETAMBER TERAPANTH MAHILA MANDAL, ..................**
**Dated 8th March 2021**

............................ **President**

............................ **Secretary**

# अन्नपूर्णा !!!

## ... A Clean Plate Campaign

नारी के अनेक रूप होते हैं वह अपने परिवार और परिजनों के जीवन में खुशियां भरने का काम करती हैं इसीलिए ही तो कहा गया है नारी एक और उसके रूप अनेक । वह घर की लक्ष्मी भी है और अन्नपूर्णा भी। नारी का संपूर्ण विकास अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का लक्ष्य हैं नारी अपने हर रूप में हर भूमिका में चहुंमुखी विकास करें। वह कभी रोहिणी बनकर तो कभी अन्नपूर्णा बनकर ना सिर्फ अपने परिवार का बल्कि समाज के लिए

अर्थ में अन्नपूर्णा कहलाएगी । आजकल शादियों में ऑफिस के कैंटींस में, यहां तक कि बच्चों के लंच बॉक्स में, सब जगह खाने का वेस्टेज होता है इस वेस्टेज को ना रोका गया तो आने वाले दिनों में स्थिति भयानक हो सकती है। समय की मांग है कि भोजन को बचाया जाए इसके लिए जागरूकता फैलाई जाए ताकि हर प्लेट हो क्लीन प्लेट और हर पेट हो भरपेट।

भी सही अर्थ में अन्नपूर्णा बन जाए । नारी की इस व्याख्या को विस्तार देने के लिए आया है नया प्रोजेक्ट –अन्नपूर्णा या clean plate companion' हर वर्ष भारत में 6700 करोड़ किलो भोजन का वेस्टेज होता है जिस से करीब 26 करोड़ लोगों का 6 महीने तक पेट भरा जा सकता है अब तक नारी ने खाना बनाकर अन्नपूर्णा की भूमिका निभाई अब वह खाने का वेस्टेज बचा कर सही

आओ चरणों को गतिमान बनाए खाने की बर्बादी के नुकसान से देश को बचाएं। आप सभी के सहयोग के साथ हम नए प्रोजेक्ट की करें शुरुआत दुनिया के 1/3 भोजन का हो रहा नुकसान' ना होने देंगे अन्न की बर्बादी यही है एबीटीएमएम का आव्हान। इससे संबंधित और सारी सामग्री हम व्हाट्सएप के द्वारा ग्रुप में भेज रहे हैं। इस कार्यक्रम की संयोजिका है – श्रीमती जयश्री बडाला – मो. 9867486848

# तृप्ती ..... एक बूंद

तृप्ती-एक बूंद

प्रिय बहनों,

हम सभी जानते हैं कि जीवन में पानी का कितना महत्व है। 'जल है तो कल है' क्योंकि पानी के बगैर हम हमारे जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। आचार्य श्री महाप्रज्ञजी फरमाया करते थे कि आने वाले समय में अगर विश्वयुद्ध होगा तो वह पानी के लिए होगा और यह सच भी है अगर हम पानी के उपयोग को सीमित नहीं करेंगे तो आने वाले समय में हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जैन दर्शन के अनुसार एक बूंद पानी में असंख्य जीव होते हैं। आइये हम संकल्प करें कि हमारे दैनिक जीवन में पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे ताकि हम जीवन हिंसा से भी बचे और पर्यावरण की सुरक्षा भी कर सके। हमारे घर में कहीं पर भी पानी का लिकेज हो तो उसे दूर करे, हाथ धोते वक्त या ब्रुश करते वक्त पानी के बहाव को को सीमित करें। ऐसे कई संकल्प है जो पानी की सुरक्षा हेतु आवश्यक है।

बहिनों आपको इन संकल्पों के लिए एक Google Form प्रेषित किया जायेगा जिसे अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को भरवाना है।

इसके अलावा अपने क्षेत्र में स्कूल, सरकारी अस्पताल या ऐसी जगह जहां पर पीने की पानी की आवश्यकता हो वहां पर एक्वागार्ड, आरओ मशीन आदि का अनुदान करें। तृप्ति एक बूंद की संयोजिका है श्रीमती मधु देरासरिया – 9427133069 इससे संबंधित सारी सामग्री हम वाट्सअप द्वारा ग्रुप में भेज देंगे।

# तेरापंथ महिला मंडल सायरा द्वारा वॉटर कूलिंग मशीन वितरण

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल सायरा द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अन्तर्गत 3 वाटर कूलिंग मशीन वितरित की गयी। 25 फरवरी 2021 को एक वाटर कूलर मशीन राजकीय माध्यमिक कन्या महाविद्यालय में, एक वाटर कूलर मशीन राजकीय प्राथमिक ब्लॉक अस्पताल में तथा एक एक्वागार्ड मशीन तेरापंथ भवन में भेंट की गई। कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, मेवाड़ प्रभारी डॉ. नीना कावड़िया की गरिमामय उपस्थिति रही। साध्वी श्री डॉ. शुभप्रभा जी ठाणा–4 के सान्निध्य में कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। प्रेरणा प्रदान करते हुए साध्वीश्रीजी ने फरमाया कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अव्वल हैं, चाहे सामाजिक क्षेत्र हो चाहे आध्यात्मिक या राजनीति क्षेत्र हो।

# संवर्धन कार्यशाला

## दक्षिण कर्नाटक

मैसूर दिनांक 6.02.21 शनिवार को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल मैसूर के तत्वावधान में वर्चुअल कार्यक्रम संवर्धन सहिष्णुता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

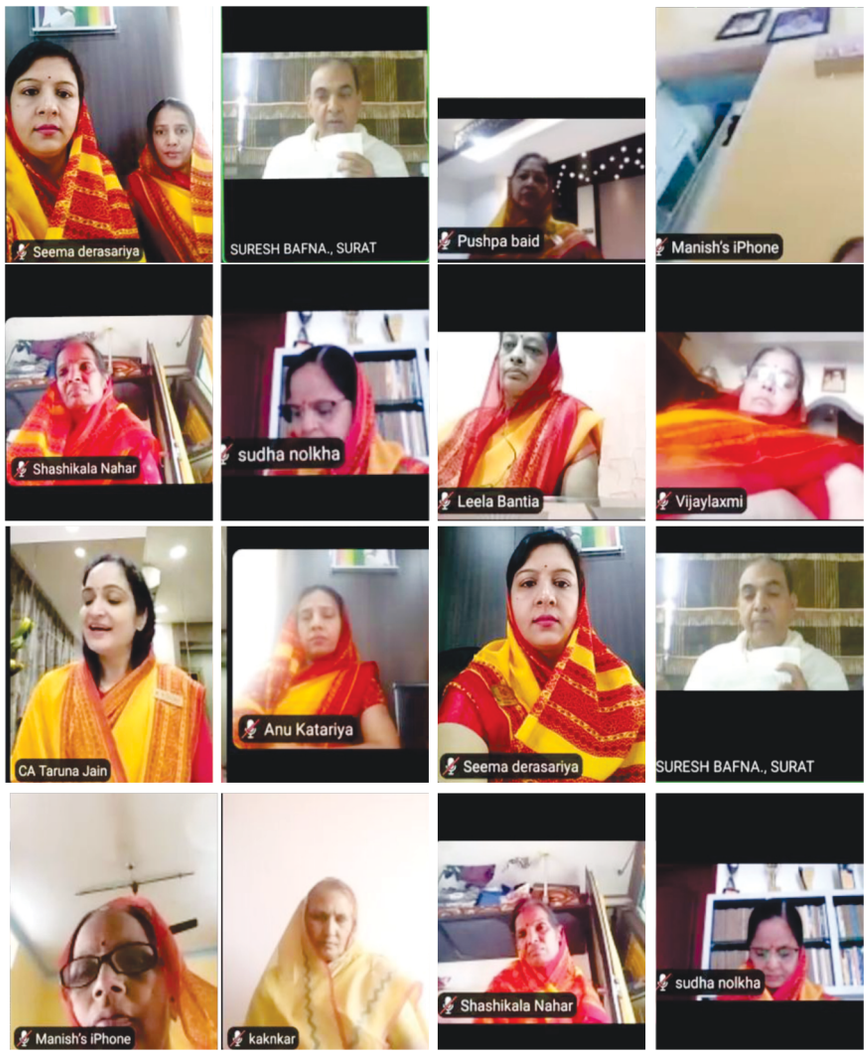


शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के मंगलपाठ व प्रधान ट्रस्टी शांता जी पुगलिया के नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

श्रीमती शशिकला नाहर ने असाधारण साध्वीप्रमुखाजी का संदेश वाचन किया। मैसूर महिला मंडल अध्यक्ष सुधा नोलखा ने सभी अतिथियों एवं क्षेत्र से पधारे हुए महानुभावों का स्वागत किया। मैसूर की नवयुवतियों ने संवर्धन गीत द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। स्वागत गीत का संगान श्रीमती अलका बैंगानी द्वारा किया गया।

मुनिश्री अर्हत कुमारजी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि जो तराशा जाता है वही पूज्य बनता है, जो सहता है वही रहता है।समणीजी संचितप्रभाजी ने अपने वक्तव्य में कहा कि सहिष्णुता सफलता का पहिया है, जो व्यक्ति सहिष्णु होता है वह अपने आप को विकास के पथ पर आगे बढ़ा सकता है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा बैद ने तेरापंथ महिला मण्डल मैसूर को बहुत ही सशक्त क्षेत्र कहा ओर उन्होंने कहा कि बहुत छोटा क्षेत्र होने के बावजूद भी कार्यशाला का बहुत ही सुंदर आयोजन किया है। उन्होंने सहिष्णुता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि असहिष्णुता का दबदबा बढ़ रहा है चाहे वह घर हो या कार्यालय,विद्यालय हो या संस्था, धर्म स्थान हो या संसद भवन चारों ओर असहिष्णुता दृष्टिगत हो रही है संयुक्त परिवार बिखर रहे है।

मुख्य वक्ता उपासक श्रीमान सुरेशजी बाफना ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में सहिष्णुता के चार मंत्र दिए :- वाणी में मधुरता, भावों में निर्मलता, व्यवहार में शालीनता ओर चेहरे पर प्रसन्नता। महामंत्री श्रीमती तरुणा जी बोहरा ने अपने जोशीले अंदाज में सहअस्तित्व ओर सहनशीलता की प्रेरणा दी।

मैसूर ओर आसपास के क्षेत्र नंजनगुड,मंडिया,पाण्डवपुरा,श्रीरंगपटना, हासन, हुनसुर,चिकमंगलूर, सकलेशपुर, KGF, शिवमोगा आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। क्षेत्रीय रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मधुजी कटारिया द्वारा दी गयी।

कार्यक्रम का सुंदर संचालन श्रीमती रेखा पितलिया एवं श्रीमती खुशी गुगलिया ने किया। विधायक नागेन्द्रा, सभाध्यक्ष श्रीमान शांतिलालजी कटारिया,राष्ट्रीय अणुव्रत समिति के उपाध्यक्ष श्री मान महेंद्रजी नाहर ने महिला मंडल को

बधाई पत्र भेंट किया। महासभा कार्यसमिति सदस्य महावीरजी देरासरिया, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष श्रीमान दिनेश ढक ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्तिथि दर्ज की। कार्यक्रम में मीडिया प्रेस का भी उल्लेखनीय योगदान रहा।मंत्री सीमा देरासरिया ने आभार ज्ञापन किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल सह प्रचार प्रसार मंत्री सोनम बागरेचा का संचालन एवं तकनीक में विशेष योगदान रहा।

## बंगाल स्तरीय संवर्धन कार्यशाला – मध्य कोलकत्ता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार मध्य कोलकाता महिला मंडल के तत्वावधान में शनिवार को बंगाल स्तरीय विधि-विधान संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारम्भ आचार्य महाश्रमण के मंगलपाठ से किया गया। नमस्कार महामंत्र का उच्चारण अभातेममं संरक्षिका श्रीमती तारा देवी सुराणा ने किया।

मध्य कोलकाता महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। संघ महानिदेशिका साध्वी प्रमुखा कनक प्रभा के संदेश का वाचन मध्य कोलकाता महिला मंडल संरक्षिका श्रीमती आशा बोथरा ने किया। मध्य कोलकाता महिला मंडल की अध्यक्ष बसंती बोहरा ने स्वागत में कहा कि हमने एक साल के लिए 14 नियम स्वीकार करने का संकल्प लिया है। मंडल की सदस्यों ने संवर्धन गीत की प्रस्तुति दी। अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने मंडल के प्रति मंगलभावना व्यक्त की और कहा - समाज को सम्यक चलाने के लिए विधि या विधान अत्यन्त आवश्यक है। ये मनुष्य के सामान्य नियम होते हैं। जिनका पालन करना अनिवार्य होता है। जिससे के साथ अन्याय न हो। मुख्य वक्ता एडवोकेट सुमेरमल सुराणा ने संस्थाओं के नियम कानून के बारे में सहज सरल शब्दों में बताया।

उन्होंने कहा कि पारिवारिक कलह से बचने के लिए हमें अपनी वसीयत जरूर बनानी चाहिए। अभातेममं महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने प्रेरणादायक वक्तव्य दिया। गणमान्य अतिथियों में जैन विश्व भारती के अध्यक्ष मनोज लूणिया, अमृतवाणी के अध्यक्ष प्रकाश बैद, महासभा की मुख्य न्यासी श्रीमती सुशीला पुगलिया ने मंडल के प्रति मंगल कामना प्रकट की। विधि-विधान पर नाटक की प्रस्तुति दी गई कि किस प्रकार चतुर्थ आचार्य जयाचार्य ने नियम का निर्माण कर संघ की नींव मजबूत की। बंगाल स्तरीय कार्यशाला में जुड़े सभी 14 क्षेत्र की प्रस्तुति दी गई। अखिल भारतीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली कोलकाता की नारी शक्ति के प्रति वीडियो से कृतज्ञता व्यक्त की गई। अतिथियों, जूम व फेसबुक से जुड़े सभी सम्भागियों का आभार ज्ञापन मंडल की शिक्षा मंत्री श्रीमती सपना बरमेचा ने किया। संचालन मंत्री श्रीमती संतोष बैद एवं सुनीता संचेती ने किया।

## सिंवाची मालाणी संवर्धन कार्यशाला – बालोतरा में

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा के तत्वाधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा बैद की अध्यक्षता में मारवाड़ स्तरीय संवर्धन कार्यशाला का आयोजन जूम एप के द्वारा किया गया। इस कार्यशाला

का विषय था त्याग और तपस्या। इस कार्यशाला में बालोतरा, जसोल, पचपदरा, पाली, जोधपुर, टापरा, बायतु, बाड़मेर, सवाऊ, फलसूंड, आसोतरा, रानी स्टेशन, जालौर लगभग 17 क्षेत्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के मंगल पाठ से हुआ। राष्ट्रीय ट्रस्टी सौभाग बैद द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ कार्यशाला के सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं दी गई। तत्पश्चात बालोतरा तेरापंथ महिला मंडल ने मंगलाचरण के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की। राष्ट्रीय पदाधिकारी और उनकी टीम और मुख्य वक्ता डॉ अनामिकाजी का सुमधुर गीत के द्वारा स्वागत किया गया। साध्वी प्रमुखा श्री जी का संदेश वाचन कोषाध्यक्ष निर्मला जी सकलेचा ने किया। बालोतरा अध्यक्ष अयोध्या देवी ओस्तवाल ने स्वागत भाषण में विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यशाला के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश जी चौधरी, MLA मदन जी प्रजापत, S.D.M. रोहित जी, सभापति सुमित्रा जी, S.D.M. ओम प्रकाश जी बागरेचा के शुभकामना संदेश आए। केंद्रीय कृषि मंत्री कैलाशजी का संदेश वाचन अरविंद जी सालेचा ने किया। मुनि श्री धर्मेश कुमार जी, शासन श्री साध्वी कमल प्रभा जी ने त्याग तपस्या पर प्रेरणा पाथेय प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने त्याग तपस्या के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है मोक्ष। उसका साधन है निर्जरा और संवर। जो त्याग और तपस्या के द्वारा होती है। निर्जरा के 12 भेद है हम उनको ध्यान में रखते हुए नवकारसी, पोरसी, 14 नियम आदि पूरे दिन में थोड़े थोड़े सौगंध लेने चाहिए। आज के इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कवियत्री डॉ अनामिका जी अंबर ने कविता के माध्यम से बताया कि आपने त्याग तपस्या को तो बहुत सुन लिया अब कुछ अलग ढंग से त्याग तपस्या सुने।




जहर वाणी का त्यागो हम हर एक विद्वेष को छोड़ें,

विषैले दंश वाले इस मधुर परिवेश को छोड़ें

महामंत्री तरुणा जी बोहरा द्वारा बताया गया कि आप त्याग तपस्या कितनी भी कर लो लेकिन जब तक आप ध्यान में नहीं जाएंगे, अपने आत्मा के भीतर नहीं जाएंगे तो वह त्याग तपस्या कोई काम की नहीं होगी। क्षेत्रीय प्रभारी कनक जी बैद ने सिवांची मालानी के सभी क्षेत्रों के त्याग तपस्या की रिपोर्ट बताई।

बालोतरा महिला मंडल द्वारा सिवांची मालाणी की त्याग तपस्या ट्रेन के माध्यम से बतायी गयी। आप की अदालत के माध्यम से संवर्धन क्यों जरूरी? पर प्रस्तुति दी गई। मंत्री रानी बाफना द्वारा 2 साल के बालोतरा के कार्यकाल की उपलब्धियां बताई गई। सिवांची मालानी शाखा मंडलों द्वारा तेरापंथ न्यूज रिर्पोटिंग के माध्यम से प्रस्तुति दी। ज्ञानशाला की बच्ची विभा द्वारा प्रस्तुति दी गई। अंत में मंगल पाठ शासन श्री साध्वी भानुकुमारी जी साध्वी श्री पूण्य प्रभा जी द्वारा दिया गया। आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष उर्मिला जी सालेचा ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री रानी बाफना और सह मंत्री संगीता जी बोथरा ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बालोतरा की तेरापंथ सभा, अणुव्रत समिति, युवक परिषद, किशोर मंडल, कन्या मंडल, ज्ञानशाला, तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा के पदाधिकारी, खुशाल जी ढ़ेलडिया, केवल जी, मुकेश जी वीडियो के लिए, कन्या मंडल संयोजिका विधि भंसाली ने भरपूर साथ दिया।

# आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेन्टर के उद्घाटन

## जोधपुर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में जोधपुर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा जोधपुर के बॉम्बे मोटर सर्किल में बेंदा एक्यूपंचर में आचार्य श्री महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का शुभारंभ किया गया, फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन जोधपुर के समाजसेवी उम्मेदमलसा सिंघवी जोधपुर सभा के अध्यक्ष धनपत सा मेहता सरदारपुरा सभा के अध्यक्ष माणक सा तातेड़ द्वारा किया गया। जोधपुर में यह तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दूसरा फिजियोथेरेपी सेंटर का शुभारंभ हुआ है। दोनों फिजियोथेरिपी सेंटर में उचित मूल्यों पर सभी को सेवा दी जाएगी। इस कार्यक्रम में जोधपुर तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष विमला जी बैद ने सभी का स्वागत किया। तेरापंथ कन्या मंडल की प्रभारी खुशी जैन वह उसकी टीम ने उद्घाटन कर्ताओं को तिलक लगाकर व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व अध्यक्ष मर्यादा जी कोठारी, जोधपुर तेयुप के अध्यक्ष सुनील जी बैद सरदारपुरा तेयुप के मंत्री कैलाश जी टीपीएफ के मंत्री पवन जी बोथरा, महिला मंडल की बहनों आदि सभी भाई- बहनो व फिजियोथेरेपी सेंटर के सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी सहभागिता दिखाई। मंत्री अमिता जी बैद ने आभार ज्ञापन किया।

## कांकरोली

अखिल भारतीय महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल कांकरोली के बैनर तले आचार्य श्री महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन हुआ। इस शुभारंभ में अ.भा.ते.म.म. राष्ट्रीय कार्यकारिणी सहमंत्री श्रीमती नीतू जी ओस्तवाल (भीलवाड़ा), मेवाड़ अंचल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती डॉ.नीना जी कावड़िया (राजसमन्द) मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम के उद्घाटन में विशिष्ट अतिथि रूप में राजसमंद नगर परिषद नवनिर्वाचित सभापति श्रीमान अशोक जी टांक, पार्षद श्री दीपक जी सोनी, श्री भूरा लाल जी कुमावत, श्रीमती सुमित्रा देवी उपस्थित रही। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी दक ने पधारे हुए मेहमानों का स्वागत पंचरंगी ओपरना व कुमकुम लगाकर किया। फिजियोथैरेपी सेंटर का पूजन, मंत्रोच्चारण जैन संस्कार विधि से कांकरोली के जैन संस्कारक श्री विनोद जी बड़ाला, श्री सूरजमल जी जैन एवं श्री सुशील जी बड़ाला के द्वारा किया गया। मंडल की बहनो के द्वारा मंगलाचरण भी किया गया । अतिथियों का स्वागत मोमेंटों एवं मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर किया गया। डॉ.नावेद हुसैन जी ने बताया कि हम जल्दी ही ई-बुक लॉन्च करेंगे, इससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस सेंटर से जुड़कर लाभान्वित हो सकेंगे, अभी कोरोना महामारी के समय में यह मशीनें रोगी का इलाज करने में अधिक सफल रहेंगी। डॉ.हुसैन एवं डॉ.आचार्य दोनों ने कहा-आपने बीज बोया है उसमें खाद डालना एवं उसे एक वटवृक्ष बनाने की जिम्मेदारी हम सब की है, इसमें आप सब का सहयोग अपेक्षित है। इस सेंटर के शुभारंभ में के उपाध्यक्ष श्री नवीन जी चोरड़िया, महावीर इंटरनेशनल कांकरोली अध्यक्ष श्री सुशील जी बड़ाला, ज्ञानशाला मेवाड़ आंचलिक संयोजिका श्रीमती रितुजी धोका, RSS कांकरोली शाखा के कर्मठ कार्यकर्ता श्री शैलेश जी चोरड़िया की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संयोजन मंत्री श्रीमती उषा कोठारी के द्वारा किया गया व आभार सहमंत्री श्रीमती मनीषा कच्छारा के द्वारा किया गया। इसके प्रायोजक हैं श्रीमती सायर देवी श्रीमान् हीरालाल जी मालू।

# आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

## इंदौर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल इंदौर द्वारा माचला गांव में आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की गई। इसका मुख्य उद्देश्य बहनों को आत्मनिर्भर बनाना और रोजगार के अवसर प्रदान करना है। केन्द्र स्थापना से पहले महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष श्रीमती जयश्री संचेती, श्रीमती पूर्णिमा कोठारी, श्रीमती साधना कोठारी, अध्यक्ष श्रीमती सरोज सुराना, मंत्री श्रीमती श्रद्धा बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना मेहता, श्रीमती मंजू खटेड़, श्रीमती सुनिता बैद व अन्य सदस्य बहनें भी उपस्थित रही। सभी बहनों के प्रति हार्दिक आभार।

## नोएड़ा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल, नोएडा ने दिनांक 25-2-2021 को निठारी (नोएडा) ग्राम मे आचार्य तुलसी सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करी। केंद्र में प्रशिक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक प्रशिक्षिका भी नियुक्त की गई है।

इसकी स्थापना का उद्देश्य वंचित महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है जिससे कि वे अपने परिवार के भरण पोषण में सहायक बन सकें। केंद्र का उद्घाटन नवरतन फॉउंडेशन्स NGO के प्रबंधक श्री अशोक जी श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती अर्चनाजी भंडारी, मंत्री श्रीमती प्रीति तातेड़, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती आरती कोचर, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुसुमजी बैद सहित कई बहनें उपस्थित रहीं।

श्रीमती सुमन जी बोथरा, श्रीमती सुमनजी सिपानी, श्रीमती कमला जी जैन श्रीमती सरोज जी चोरड़िया, श्रीमती कंचन जी सेठिया, श्रीमती शोभाजी बैद आदि बहनो ने केंद्र की स्थापना में अनुदान दिया। सभी को साधुवाद।

# Go Clean !!!
# ... Instalation of Incinerators

बहनों,

''स्वच्छ भारत अभियान'' प्रोजेक्ट के अन्तर्गत निम्न क्षेत्रों ने इस महीने जो वेडिंग मशीन व पैड डिस्पोजल मशीन लगाने का सफल प्रयास स्कूल, कॉलेजों में मशीनें लगवाई वो क्षेत्र हैं :-

## अहमदाबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल, अहमदाबाद द्वारा 20 इंसीनरेटर मशीनों का उद्घाटन अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा व राष्ट्रीय पदाधिकारियों की वर्चुअल उपस्थिति में किया गया। अध्यक्ष श्रीमती मनीता चौपड़ा, मंत्री श्रीमती प्रतिक्षा सुतरिया, संयोजिका श्रीमती सरिता लोढ़ा के साथ जागरूक टीम ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत कदम बढ़ाते हुए साबरमति कॉलेज, एल डी इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वकर्मा इजीनियरिंग हॉस्टल एवं कॉलेज, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज गांधीनगर, एलएम फार्मेसी कॉलेज, बीएड. बिराई कॉलेज व गर्ल्स हॉस्टल, महाप्रज्ञ स्कूल, सेंट जोसेफ स्कूल, रचना, चेरब, प्रीतमपुरा स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, नीलसन्स इंटरनेशनल स्कूल आदि सरकारी स्थानों में इंसीनरेटर मशीनों का वितरण किया गया। स्वच्छता के इस कार्य की सराहना करते हुए संस्था को सभी कॉलेज एवं स्कूलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। मशीनों के प्रायोजक मनीता चौपड़ा, अदिति सेखानी, प्रतीक्षा सुतरिया, आशा ठक्कर, यशोदा बाफना, मधु बाफना, सावित्री देवी लुणिया, पुष्पा सेठिया, सरिता लोढ़ा, रेशमी देवी बैद, नीतू बैद, निर्मला चौपड़ा, मंजू संकलेचा रहे।

## जयपुर शहर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित साध्वीप्रमुखाश्रीजी के 50वें मनोनयन दिवस के उपलक्ष में जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा साध्वी श्रीमंगलप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत 7 इंसीनरेटर मशीनों का इनोग्रेशन किया गया। 1 आचार्य तुलसी सिलाई सेंटर का उद्घाटन किया गया। अभातेममं द्वारा निर्देशित नन्हीं कली प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 51 छात्राओं की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। मुख्य अतिथि वार्ड नंबर 149 की पार्षद स्वाति परनामी, अभातेममं कार्यकारिणी सदस्य गुलाब बोथरा, मधु श्यामसुखा, जयपुर शहर महिला मंडल अध्यक्ष नेहा नागौरी, मंत्री सुमन कोठारी, परामर्शिका डॉ. कांता छाजेड़, शीला बांठिया, सुमन बोरड़, टीपीएफ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनिल भंडारी एवं एटीडीसी डॉक्टर्स इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। साध्वीश्रीजी ने नवकार मंत्र उच्चारण के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अध्यक्ष नेहा नागौरी ने सभी आयोजकों प्रायोजकों को अशोकजी चन्द्रकांताजी, निलिमा बैद, उषा जी बरड़िया, नीरू जी मेहता का उदारमना सहयोग के लिए आभार किया। पार्षद स्वाति जी परनामी व डॉ. अनिल जी भंडारी ने जयपुर शहर महिला मंडल के इस कार्य की उपयोगिता बताते हुए सराहना की। शकुंतलाजी, निधि लोढ़ा का सहयोग रहा। महिला मंडल की सभी बहनों का कार्यसमिति सदस्यों, क्षेत्रीय संयोजिकाओं सभी का आभार मंत्री सुमन कोठारी ने किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल की प्रज्ञा बांठिया ने किया।

## सी–स्कीम जयपुर

गो क्लिन अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल सी–स्कीम जयपुर द्वारा एक कदम स्वच्छता की ओर 31000 सैनिटाइजर एवं मास्क 11 इंसीनरेटर मशीन का वितरण तेरापंथ महिला मंडल सी– स्कीम जयपुर द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरिता जी डागा (अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल उपाध्यक्ष), एन के. जैन (पूर्व चीफ जस्टिस), श्री विशाल बैंद (सी.आई.आई. राजस्थान अध्यक्ष), श्री रविंद्र कुमार–(जिला शिक्षा अधिकारी जयपुर), श्री अमित गर्ग( जिला शिक्षा अधिकारी बांसवाड़ा), श्री दिनेश सिंह शेखावत (अति जिला शिक्षा अधिकारी जयपुर), श्रीमती अनीता लांबा( मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयपुर)

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से श्रीमती विजया जी डागा ने की। पधारे हुए अतिथियों का स्वागत मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नीरु पुगलिया ने किया। कोविड–19 के इस महामारी में एक साल बाद स्कूल रिओपन हुए हैं बच्चों के स्वास्थ्य की मंगल भावना करते हुए कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं को 31000 सैनिटाइजर व मास्क वितरण किया तथा गो क्लीन अभियान के तहत 11 इनसीनेटर का वितरण करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता जी डागा ने कहा सी–स्कीम महिला मंडल सामाजिक सेवा कार्य में हमेशा अग्रणी रहा है। कोरोना काल में 31,000 जैसी बड़ी संख्या में सैनिटाइजर एवं मास्क तथा 11 इंसीनरेटर का वितरण कर, सी–स्कीम महिला मंडल एक नेक कार्य कर रही है।

सभी मुख्य अतिथियों ने महिला मंडल के इस नेक कार्य के लिए भूरी भूरी प्रशंसा की तथा भविष्य में भी ऐसे ही नेक कार्य महिला मंडल करते रहे यह शुभकामनाएं दी।

शिक्षा विभाग से पधारे मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री रविंद्र कुमार जी ने कहां इंसीनरेटर सैनिटाइजर एवं मास्क का वितरण कोरोना काल में महिला मंडल द्वारा किया गया यह कार्य सराहनीय हैं।

भविष्य में भी सी–स्कीम महिला मंडल इसी तरह से उत्तरोत्तर प्रगति करे तथा सेवा कार्य में हमेशा अग्रणी रहे ऐसी मंगल भावना व्यक्त की। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमती अनीता जी लाम्बा ने मंडल को प्रशस्ति पत्र देकर मंडल का सम्मान किया।

## फरवरी माह के उत्तर

**(अ) –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. सजग | 2. सफल | 3. सिलसिले | 4. सेवा |
| 5. समझ | 6. संयम | 7. सदासुखजी | 8. स्कूल |
| 9. सतत | 10. सूरजमलजी | 11. समग्रता | 12. संतान |
| 13. सुखी | 14. सरदारशहर | 15. सीमित | 16. साधुपन |
| 17. सफलता | 18. सोवियत | 19. शान्त | 20. समय |

**(ब) –**

1-I 2-E 3-A 4-H 5-J 6-B 7-C 8-D 9-F 10-G

## दिसम्बर माह के भाग्यशाली विजेता

इस माह कुल 1850 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

1. श्रीमती सविता बच्छावत – राजलदेसर
2. श्रीमती मंजुला डागा – जयपुर शहर
3. श्रीमती सपना जैन – कांटाबाजी
4. श्रीमती अंजु गुलगुलिया – बरहमपुर
5. श्रीमती प्रिया जैन – बोईसर, मुंबई
6. श्रीमती निर्मला रांका – लिम्बायत
7. श्रीमती अर्चना भंडारी – नोएडा
8. श्रीमती प्रिती डागा – विराटनगर
9. श्रीमती मोनिका सेठिया – भिनासर
10. श्रीमती खुशी गिड़िया – चैन्ने (पल्लावरम)

# ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी
# फरवरी 2021

संदर्भ पुस्तक - चैतन्य रश्मि कनकप्रभा (पृष्ठ संख्या 38 से 57)

**(अ) रिक्त स्थान की पूर्ति अंकों में करें।**

1. लगभग ..... बजे प्रसन्न वातावरण में दीक्षा समारोह सम्पन्न हुआ।
2. भंते! संस्था में इस समय हम ..... मुमुक्षु बहनें है।
3. ..... वर्ष का शैक्षिक पाठ्यक्रम व्यवस्थित चला।
4. पारमार्थिक शिक्षण संस्था में कला ने ..... वर्ष तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
5. कुल ..... साधु-साध्वियों को गुरुकुलवास का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ।
6. यदि वह ग्रंथ सुरक्षित रहता तो एक ..... वर्षीया लेखिका का प्रौढ़ लेखन कईयों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन जाता।
7. उस समय दीक्षित ..... साध्वियों में साध्वी कनकप्रभा का स्थान छठा था।
8. पैंतीस दिन में ..... कविताएं बनाई।
9. किंतु ..... से अधिक श्रद्धालु बाहर से आ गए थे।
10. ..... तीर्थंकरों की परिनिर्वाण भूमि, तपोभूमि सम्मेद शिखर।

**(ब) नीचे दिये गय शब्दों में से सही उत्तर खोजिए -**

**(कानपुर, लखनऊ, सम्मेद शिखर, केलवा, बरनाला, मुंबई, कलकत्ता, ब्रिटेन, राजसमंद, हिमालय)**

1. महाराजा हाईस्कूल में आचार्यश्री का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश-
2. एक वर्ष तक प्रतिदिन पांच मिनिट संस्कृत बोलने का संकल्प-
3. पेंट तो सूख गया पर नौकरी नहीं सूखी-
4. वि.सं. 2011 में साध्वीश्री सुंदरजी लाडनूं का चातुर्मास-
5. कविता बनाने की प्रेरणा-
6. मुमुक्षु कला के ओजस्वी वक्तव्य की गूंज-
7. तेरापंथ द्विशताब्दी का आयोजन-
8. साधु प्रतिक्रमण सीखने का आदेश-
9. स्वामी रामतीर्थ-
10. वि.सं. 2011 में आचार्य श्री तुलसी का पावस प्रवास-

नोट :
- प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 मार्च 2021 है।
- Google Form की Link आपको Team Group में प्रेषित कर दी जायेगी।
- सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
- प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें -

श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत
मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

1,00,000 गुप्तदान भावना चौके में सप्रेम भेंट।

1,01,000 गुप्तदान भावना चौके में सप्रेम भेंट।

41,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल बल्लारी द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

31,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

21,000 श्रीमती शोभा देवी – धनपत जी दुगड़ कोलकाता–लाडनूं द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

21,000 श्री धनपत जी सरिता, आदित्य कोमल रांका द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

21,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल मैसूर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

21,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल चिकमंगलूर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

21,000 श्री प्रकाशचन्द – कान्ता, संजय – कोमल सुपौत्र, सुपौत्री – क्रियांश, त्विशा लोढ़ा दिवेर–बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।

21,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल पचपदरा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल मांडया–सायरा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल केजीएफ द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल धरवाड़ द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हसन द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल पटना द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सायरा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11,000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल जसोल द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल पाली द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल असाडा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11000 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल दावणगेरे द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

11000 सूरजमल –सोना देवी, राजेश कुमार– विनीता, फाल्गुनी, कुणाल बेंगानी झुंझुनूं निवासी –पाली प्रवासी द्वारा सप्रेम भेंट।

5,100 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल चित्रदुर्गा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

5,100 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हुंसुर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

5,100 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल सकलेशपुर द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

5,100 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल शिमोगा द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

5,100 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल नंजनगुड़ द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

5,100 जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गदग द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।

**अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !**


**अध्यक्षीय कार्यालय :** श्रीमती पुष्पा बैद – ''पावन'' बी–106/107, विद्युत नगर–बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर – 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

**महामंत्री कार्यालय :** CA तरूणा बोहरा – 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई – 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

**कोषाध्यक्ष कार्यालय :** श्रीमती रंजु लुणिया – लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग–793001 (मेघालय) मो: 94361033330, 8787645164 ईमेल Implshillong@gmail.com

**नारीलोक संपादन सहयोगी :** श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976


नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

# 157वां मर्यादा महोत्सव चतुर्थ (मुख्य) दिवस

## मर्यादा महोत्सव के उपलक्ष्य में तेरापंथ आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा रचित गीत संगान

शासन में रमे रहें जिनशासन में।
जमे रहें जिनशासन में।
थमें रहें अनुशासन में।।
श्री भैक्षवगण पाया।
नन्दनवन उपमाया।
सुखद कल्पतरु छाया।

आत्मिक उत्थान खातिर गृहवास छोड़ा है।
सांसारिक संबंधनों से मनड़े को मोड़ा है।
आत्मविजेता हम बन पाएं।।1।।

धर्म महावृक्ष का मूल विनय है।
विनयशील की सदा विजय है।
विनय धर्म को हम अपनाएं।।2।।

निर्मल संयम पालन मानवजन्म की सुफलता।
कीर्ति-वर्ण-शब्द-श्लोक वांछा से हो मुक्तता।
मोक्ष प्राप्ति ही लक्ष्य हमारा।।3।।

सेवा सुभावना से चेतना सुभावित हो।
करूणा संवेदना से हृदय प्रभावित हो।
सेवा हमारा धर्म सुपावन।।4।।

जय जय भिक्षु शासन जय मर्यादा।
गुणवत्ता ही मुख्य हो संख्या भी हो ज्यादा।
नव पीढ़ी को हम विकसाएं।।5।।

वीर भिक्षु जय तुलसी महाप्रज्ञ गुरुवर।
मर्यादाओं का महोत्सव रायपुर में प्रवर।
'महाश्रमण' हम बढ़ते जाएं।।6।।

**लय : इं तन रो, पल रो भरोसो नहीं, इं तन रो.....**